जानें....

दूसरों के मन की बात जानने की विधि

सम्पूर्ण अन्तवाहक फरिश्ता स्वरूप की ड्रेस पहन विचरण करें...

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि किस-किस तरह से हमारी कर्मेन्द्रियां हमें धोखा देती हैं, उनकी चेकिंग हमें करनी है। बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण कैसे बन सकते। अब आगे पढ़ते हैं...

बाबा ने एक अव्यक्त मुरली में बहुत अच्छी बात बताई थी कि बाबा से सकाश लेना है, अगर देह अभिमान में होंगे तो साकाश नहीं ले सकते। उसके लिए मुझे भी अपने स्वरूप को कैसा बनाना होगा? बाबा के जैसा। तो सूक्ष्म स्वरूप जो है अन्तवाहक शरीर जिसे कहते हैं, अन्तर्वाहन बन जाये और फरिश्ता स्वरूप में वो अन्तर्वाहन बनते हुए जब यहाँ से हम उड़ते हैं तो यहाँ से सीधा फरिश्ते स्वरूप में नहीं पहुंच जाते हैं लेकिन जो सूक्ष्म शरीर है, जो कभी छाया के रूप में दिखाते हैं कि सूक्ष्म शरीर है तो वो हमारा अन्तर्वाहन है। उससे हम वतन में जाते हैं बाबा के पास और वहाँ हरेक की सम्पूर्ण अव्यक्त फरिश्ता ड्रेस है। उस फरिश्ते ड्रेस को धारण करते हैं।

जैसे साकार बाबा के समय बाबा जब पुरुषार्थ करते थे और जैसे ही ये राज़ खुला कि सूक्ष्म वतन में भी बाबा है और वो बाबा बहुत प्रकाशमान है तो बाबा को जानने की थी कि ऊपर वाला बाबा कैसा है! तो जब संदेशियों से पूछते थे तो वो कहती कि वो तो बहुत लाइट-लाइट वाला है। उस समय फरिश्ता ड्रेस का पता ही नहीं था। तो बाबा ने सोचा कि इसका मतलब वो मेरा सम्पूर्ण रूप है और ये पुरूषार्थी स्वरूप है। और ये स्वरूप उस स्वरूप में मर्ज हो जायेगा। ठीक इसी तरह कई बार संदेशियां जब ऊपर जाती हैं और बाबा कभी-कभी सभा दिखाते हैं और वो सभा जैसे पूरी फरिश्तों की सभा होती है।

एक बार हमने गुल्ज़ार दादी से पूछा कि दादी बाबा जब आपको ऊपर सभा दिखाते हैं तो हम दिखाई देते हैं? तो दादी ने कहा कि ये नहीं पता चलता है कि कौन है। क्योंकि हरेक का सम्पूर्ण अव्यक्त फरिश्ता स्वरूप होता है हमारे सामने जो सभा दिखाते हैं। तो उसमें फीचर्स हरेक के अलग हो जाते हैं। दिव्य फीचर्स हो जाते हैं। बहुत प्रकाशमान फीचर्स हो जाते हैं तो पहचान नहीं सकते। बहुत कोई-कोई को पहचान लेते हैं जैसे कोई दादियां पहचान में आ जाती हैं क्योंकि वो उस स्वरूप के नज़दीक पहुंच गये हैं तो जिस तरह साकार ब्रह्मा बाबा का नीचे पुरूषार्थी स्वरूप और ऊपर सम्पूर्ण स्वरूप और ये स्वरूप जाकर उसमें मर्ज हो जाता। उसके लिए बाबा ने पुरूषार्थ किया। अढ़ाई बजे से उठकर बाबा बैठकर उस लाइट माइट की स्थिति में बैठकर जैसे ये स्वरूप उस स्वरूप में मर्ज हो रहा है। ठीक इसी तरह अब अन्तिम पुरूषार्थ हमारा जो है वो यही होगा बाबा के जैसा कि जब भी हम बैठें तो यही अन्तर्वाहन, सूक्ष्म शरीर द्वारा हम वतन में जायें और उस सूक्ष्म शरीर को वहाँ सम्पूर्ण अव्यक्त फरिश्ता ड्रेस में मर्ज कर दें। वो धारण कर लें और अपने आपको उस दिव्य फीचर्स में देखें। जब उस सम्पूर्ण स्वरूप में होंगे तो बाबा के साथ नैन मुलाकात सहज हो जाती है। नैन मुलाकात करते हुए बाबा के मस्तक से जैसे सकाश हम ले रहे हैं ये फीलिंग आती है। तो ये पहला तरीका है सकाश को प्राप्त करने का।

> शुरू-शुरू के यज्ञ की हिस्ट्री में आप सबने सुना होगा कि जब यज्ञ में कोई अन्नय बच्चा बीमार होता था या बाबा के पास समाचार आता था तो उस समय बाबा अढ़ाई बजे से लेकर बच्चे को सकाश देते थे। लाइट की किरणें देते थे।

दूसरा तरीका ये है, जो बाबा कहते हैं कभी कभी कोई ऐसी लहर होती है तो बाबा सकाश देता है। जैसे शुरू-शुरू के यज्ञ की हिस्ट्री में आप सबने सुना होगा कि जब यज्ञ में कोई अन्नय बच्चा बीमार होता था या बाबा के पास समाचार आता था खास करके जब हमने ये विशेष यज्ञ की हिस्ट्री में दादियों से सुना कि जब विश्वकिशोर भाऊ एडमिट थे बॉम्बे हॉस्पिटल में, या मम्मा को जब एडमिट किया था, ऑपरेशन था मम्मा का तो उस समय बाबा अढ़ाई बजे से लेकर बच्चे को सकाश दे रहे थे, लाइट की किरणें दे रहे थे। जिसको कहें जैसे पहले के समय में जब किसी को कैंसर हो तो उस जगह पर लाइट का फोकस देते थे। रेडिएशन जिसको कहा जाये। ठीक इसी तरह बाबा भी पॉवरफुल सकाश देते थे तो जब ऐसी कोई लहर होती थी तो।

ठीक इसी तरह महसूस करना है कि अभी जैसे-जैसे अन्तिम समय की ओर आगे बढ़ रहे हैं तो नैचुरल है कि दो बातों का पेपर विशेष हमारे सामने आयेगा। ये हर ब्राह्मण को क्रॉस करना ही है। कौन से दो पेपर?

- क्रमशः

सिमराही-बिहार। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. बबीता बहन, ब्र.कु. वीना बहन, ब्र.कु. किशोर भाई तथा अन्य।

बिलासपुर-शुभम विहार(छ.ग.)। बेलतरा विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक सुशांत शुक्ला को गुलदस्ता भेंट कर बधाई देते हुए ब्र.कु. सविता दीदी।

गाज़ियाबाद-मकनपुर(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में केक काटते हुए निगम पार्षद राधेश्याम त्यागी, अनुज त्यागी, राजयोगिनी ब्र.कु. सुनीता दीदी,चांदनी चौक, राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी,गाज़ीपुर, ब्र.कु. नीलम बहन, ब्र.कु. ममता बहन व अन्य।

भिलाई-छ.ग.। भिलाई इस्पात संयत्र द्वारा जयंती स्टेडियम में गणतंत्र दिवस पर आयोजित परेड में ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन सेवाकेन्द्र द्वारा स्वर्णिम भारत की दिव्य, अलौकिक झाँकी को प्रस्तुत किया गया। अंतर्दिशा परिसर से शिव ध्वज दिखाकर झाँकी को भिलाई सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. प्राची बहन, ब्र.कु. स्नेहा बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनों ने रवाना किया। झाँकी में ज्ञान की देवी हंस वाहिनी पर विराजित स्वर्णिम भारत लक्ष्मीनारायण का राज्य सुशोभित था। साथ ही राजयोग द्वारा विश्व में सुख-शांति को भी दर्शाया गया था। इस झाँकी ने प्रस्तुत सभी झाँकियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसके पश्चात् भिलाई इस्पात संयत्र के एम.डी. अनिर्बन दास गुप्ता ने ब्र.कु. आशा दीदी को झाँकी के प्रथम की विजय ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर संयत्र के सभी एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर्स, अधिकारी एवं सीआईएसएफ प्रतिभा अग्रवाल सहित शहर के गणमान्य नागरिक, मीडिया सदस्य एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर सभी राजयोगी ब्र.कु. भाई-बहनों को योगभट्ठी कराने के लिए दिल्ली से ब्र.कु. पियूष भाई को आमंत्रित किये जाने पर शॉल पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरोज दीदी।

दिल्ली-अली विहार। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हैं बायें से डॉ. अल्का,डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट, ब्र.कु. पूनम बहन, डॉ. रिचा,माइक्रोबायोलॉजिस्ट, ब्र.कु. राजबाला बहन एवं डॉ. हिना।

ग्वालियर-म.प्र.। अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के पुराना हाईकोर्ट स्थित सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'अपने राम सबके राम' कार्यक्रम में श्री राम, श्री लक्ष्मण, श्री सीता और श्री हनुमान की सुंदर चैतन्य झाँकी सजाई गई। कार्यक्रम में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन, डॉ. ब्र.कु. गुरचरण भाई, ब्र.कु. प्रहलाद भाई, ब्र.कु. महिमा बहन सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

राजगीर-नालंदा(बिहार)। पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित वीरायतन की संस्थापक एवं जैन समाज में प्रतिष्ठित आचार्य पद से सम्मानित पहली जैन साध्वी परम पूज्य चंदना जी महाराज को उनके 88वें जन्मदिवस के अवसर पर ब्र.कु. ज्योति बहन ने उन्हें बधाई दी एवं ईश्वरीय सौगात भेंट किया।

गंज-बासौदा-म.प्र.। 'सकारात्मक युवा विकसित भारत का आधार' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में देवर्ष गुप्ता,विद्यार्थी परिषद अध्यक्ष गंज बासौदा व अशोक अग्रवाल को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका व ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. रुक्मणी बहन व ब्र.कु. अनु बहन।

जबलपुर-कटंगा कॉलोनी(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित परिचर्चा 'सशक्त युवा सशक्त भारत' को सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. विमला दीदी। मंचासीन हैं सीए स्टूडेंट एसोसिएशन जबलपुर के नयन जैन, महाकौशल बधिर संघ युवा प्रभाग की गंगा पाठक, सेंट एलायसियस कॉलेज कॉमर्स फोरम की प्रेसिडेंट अदिति सिंह, इंजीनियरिंग छात्रा आरुषि विश्वकर्मा व ब्र.कु. बहन।

राजगढ़-म.प्र.। जिलाधीश(कलेक्टर) दीक्षित जी को नव वर्ष की बधाई, नव वर्ष का कैलेंडर व प्रसाद देने के पश्चात् आध्यात्मिक चर्चा करते हुए ब्र.कु. सुमित्रा बहन व ब्र.कु. दीपिका बहन।

झालावाड़-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. रमेश भाई,माउण्ट आबू, डॉ. राम कल्याण मीणा, डॉ. कुलदीप गुर्जर, लव कुमार शर्मा, पूनम शुरूगी, डॉ. अशोक कंवर शेखावत, अतुल देव यादव, कुलदीप मेहर, केशरी लाल वर्मा, ब्र.कु. नेहा बहन, सोमनाथ भाई सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।